>

Title: Situation arising due to floods in Bhojpur and other districts of Bihar.

श्रीमती मीना सिंह (आरा): सभापति महोदया, मैं आपका आभार प्रकट करती हूं कि आपने मुझे शून्यकाल में बाढ़ जैसे महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा करने की अनुमति प्रदान की। यह सदन इस बात से अच्छी तरह से अवगत है कि विगत करीब तीन वर्षों से बिहार का आधा हिस्सा सुखाड़ तथा आधा हिस्सा भयंकर बाढ़ से तबाह हो रहा है। इस वर्ष भी अभी तक बिहार के करीब बीस जिलों के 18 लाख से ज्यादा आदमी बाढ़ से प्रभावित हैं। वहां करीब 70 हजार हैक्टेअर क्षेत्र के बाढ़ में डूबने के कारण लगभग 47 करोड़ रुपये की फसल बर्बाद हुई है तथा दस हजार से ज्यादा घरों को नुकसान होने के कारण करीब 76 करोड़ की सम्पति का नुकसान हुआ है।

अभी भी नेपाल से आने वाली नदियों - गंडक, कोसी, और बूढ़ी गंडक तथा बिहार की प्रमुख नदी गंगा कई जगह पर खतरे के निशान से ऊपर बढ़ रही हैं, जिससे बाढ़ की विनाश लीला देखने को मिल रही है।

मैडम, अभी तक पूरे बिहार में करीब 38 लोगों की मौत बाढ़ के कारण हो चुकी है जिसमें सर्वाधिक 10 लोगों की मौत सिर्फ मेरे संसदीय क्षेत्र में हुई है।

मैडम, हमारा क्षेत्र आरा जो भोजपुर जिला है, वहां करीब डेढ़ सौ गांवों में भयंकर बाढ़ आई हुई है। मैंने स्वयं विगत रविवार को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का नाव से निरीक्षण किया है।

मैडम, बाढ़ के कारण जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। पशुओं का बुरा हाल है, उन्हें चारा नहीं मिल रहा है। लोगों में बाढ़ का पानी पीने के कारण तरह-तरह की बीमारियां हो रही है। लोगों की फसल बाढ़ में डूब गई हैं। घरों का नुकसान हुआ है।

मैडम, मैं आपके माध्यम से बिहार सरकार को धन्यवाद देना चाहती हूँ जिसके द्वारा प्रभावित इलाकों में वृहद पैमाने पर राहत कार्य चलाया जा रहा है, साथ ही मृतकों के आश्रितों को राज्य सरकार एवं मुख्यमंत्री राहत कोष से डेढ़ लाख रूपये का अनुदान दिया गया है।

मैडम, मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से मांग करती हूँ कि यथाशीघ्र केन्द्रीय टीम भेजकर बिहार के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण करवाया जाए तथा राहत एवं पुनर्वास के लिए राज्य सरकार को पूर्ण सहयोग दिया जाए। साथ ही साथ मेरी मांग है कि सभी मृतकों के आश्रितों को प्रधानमंत्री राहत कोष से पांच-पांच लाख रूपये का अनुदान दिया जाए।